भिवानी, 11 मई। हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान व जानकारी हासिल करने का ध्येय ही नहीं होना चाहिए बल्कि शिक्षा से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन होना चाहिए, जिससे समाज में व्यापक स्तर पर बदलाव आए। राज्यपाल आज चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 236 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित की। इनमें 178 लड़कियां व 58 लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 17 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल प्रदान कर सम्मानित किया। दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री रविंद्र शुक्ला को डी-लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने विश्वविद्यालय की वार्षिक सोवनीयर का भी विमोचन किया। राज्यपाल ने कहा कि जिन विद्यार्थियों को डिग्रियां बांटी गई हैं, उनमें अधिकांश लड़कियां हैं, जिससे ऐसा आभास होता है कि हरियाणा सरकार द्वारा चलाए गए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ-साथ बेटों को पढ़ाओ अभियान भी चलाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री ने जब बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था उस समय प्रदेश के 22 में से 16 जिलों में लिंगानुपात का संतुलन बहुत ही चिंतनीय था और प्रदेश पर बेटियों को अभिशाप मानने का बहुत बड़ा आरोप था। इस अभियान के सफलता के बाद आज लड़कियों का 950 का आंकड़ा पार करने जा रहा है। इसके लिए प्रदेशवासी बधाई के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि युवाओं से देश का भविष्य जुड़ा हुआ है। इसलिए युवाओं को नैतिक मूल्यों का हनन नहीं होने देना चाहिए। उच्च स्तर की डिग्री हासिल करवाने में शिक्षिकों के साथ-साथ अभिभावकों का भी अहम योगदान होता है। युवाओं से उन्हें अनेक अपेक्षाएं होती हैं। इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेना चाहिए और प्रदेश व समाज के सर्वांगीण विकास में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। ऐसा होने से विश्वविद्यालयों की भी साख बनेगी और देश को भी होनहार नागरिक मिलेंगे तभी देश व राष्ट्र पूर्णरूप से तरक्की करेंगा। यदि युवा इन अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते तो यह डिग्री केवल कागज बनकर रह जाती है। उन्होंने कहा कि युवा ही समाज में अपने हुनर के बलबूते परिवर्तन ला सकते हैं। इसलिए युवाओं को सामाजिक बदलाव के लिए आगे आना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय किसी भी क्षेत्र व दृष्टि में कम नहीं है। प्रदेश सरकार द्वारा मनाए जाने वाले स्वर्ण जयंती समारोह में विश्वविद्यालयों का अहम योगदान रहा है। इस विश्वविद्यालय को अपना मुख्यद्वार का नाम भी स्वर्ण जयंती के नाम रखा। इस विश्वविद्यालय से हरियाणा का भविष्य देखकर हमें आपार प्रसन्नता होती हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने अपने गुरू बृजानंद को दीक्षांत समारोह में अपना जीवन ही समर्पित कर दिया था। उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को भी दीक्षांत समारोह में राष्ट्र व समाज में बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए।

शिक्षा मंत्री प्रो0 रामबिलास शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों ने इस दीक्षांत समारोह उपरांत अपने जीवन की एक सीढ़ी पार कर ली है अब उन्हें दूसरे पड़ाव के लिए उन्हें तत्पर रहना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संस्कार व संस्कृति हमारे देश का पेटैंट है। युवाओं को मानव निर्माण के कार्य पर बल देते हुए समाज में अनुकरणीय कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चौ. बंसीलाल एक कुशल प्रशासक व संस्था थे। उनके मार्गदर्शन पर चलते हुए हमें विश्वविद्यालय का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने गीता अध्याय को पाठ्यक्रम में शामिल करके युवाओं को प्राचीन संस्कृति से सराबोर करने का कार्य किया है। गीता, गायत्री और गौ सेवा हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य स्पष्ट तैयार करना चाहिए तथा उसे पूरा करने के लिए भी अथक प्रयास करना चाहिए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए भारत सरकार के पूर्व मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षाणिक क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने चाहिए और उन्हें निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नकलरहित परीक्षाएं आयोजित करवाकर देश में अनूठा उदाहरण पेश किया है। इसके विश्वविद्यालय प्रबंधन बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के गहन अध्ययन से उनमें काबलियत पैदा होगी और वे मौलिक व नैतिक अधिकारों का संस्मरण करते हुए समाज निर्माण में अहम योगदान देंगे।

डी-लिट की मानद उपाधी से सुशोभित होने वाले उत्तर प्रदेश के पूर्वमंत्री रविंद्र शुक्ला ने कहा कि अपने को मानव मूल्यों का संवर्धनयुक्त करते हुए अलग करने की प्रेरणा करनी चाहिए जिससे अन्य युवा भी उनका अनुसरण कर सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एस.के. गक्खड़ ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक है। इसी दिन पूर्वमंत्री चौ. बंसीलाल ने मुख्यमंत्री की शपथ ली थी। विकास का द्योत्तक चौ. बंसीलाल के पद्चिह्नों पर चलते हुए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों में नई चेतना व ऊर्जा का संचार करेगा। प्रधानमंत्री के डिजीटल इण्डिया और स्किल इण्डिया, मेक-इन-इण्डिया कार्यक्रमों को प्रभावी ढ़ंग से क्रियान्वित किया गया। इसके अलावा जिला को खुले में शौचमुक्त बनाने की दिशा में विद्यार्थियों ने बहुत ही कारगर कार्य किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को दायित्व के साथ कार्य करने और सक्रिय होकर कार्य करने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो0भगवान सिंह ने भी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धियां बारे विस्तार से अवगत करवाया। समारोह में महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह, भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, चेयरमैन ऋषिप्रकाश शर्मा, शिक्षा बोर्ड चेयरमैन जगबीर सिंह, भाजपा अध्यक्ष नंदराम धानिया, भगत फूल सिंह

महिला विश्वविद्यालय की कुलपति आशा कादयान, देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति विजय कायत, उपायुक्त अंशज सिंह व पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र भोरिया, एसडीएम सतपाल सिंह, तहसीलदार संजय बिश्रोई सहित अनेक गणमान्य नागरिक, विश्वविद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद थे।

चौ. बंसी लाल विश्वविद्यालय,
प्रथम दीक्षांत समारो
2017

चौ. बंसी लाल

चौ. बंसी लाल